अ नु क्र म णि का

पृष्ठांक

अध्याय : 1 — वीरेन्द्रकुमार जैन : जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व — 1-14

1. उद्घोष
2. प्रयोगवादी कविता में वीरेन्द्रकुमार का योगदान
3. जीवनवृत्त
   - जन्म तथा बचपन
   - शिक्षा
   - नौकरी
   - स्वभाव
4. व्यक्तित्व
   1. प्रयोगवादी कविता में उनका व्यक्तित्व
   2. वीरेन्द्रकुमार की विचारधारा
5. कृतित्व
   1. कविता
   2. कहानी
   3. उपन्यास
   4. अनुवाद
6. कविताओं का संक्षिप्त विवेचन एवं परिचय
   1. अनागता की आँखे
   2. यातना का सूर्य-पुरुष
   3. शून्य पुरुष और वस्तुएँ

निष्कर्ष

संदर्भ-संकेत

पृष्ठांक

अध्याय : 2	वीरेन्द्रकुमार जैन : संवेदनशील कवि	15-31
	1· मध्यमवर्गीयों की संवेदना	
	2· सामाजिक संवेदना	
	3· यथार्थ और आदर्श की संवेदना	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ-संकेत	
अध्याय : 3	वीरेन्द्रकुमार जैन : रोमांटिक कवि	32-49
	1· प्रकृति का रोमांटिक चित्रण	
	2· प्रणयानुभूति	
	3· क्षणभोग की भावना	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ-संकेत	
अध्याय : 4	वीरेन्द्रकुमार जैन : कल्पनाजीवी कवि	50-65
	1· बाह्यकल्पना	
	2· कल्पना और सौन्दर्य	
	3· कल्पना में वास्तविकता	
	4· स्वप्नील कल्पना	
	5· कल्पना और संवेदना	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ-संकेत	
अध्याय : 5	वीरेन्द्रकुमार जैन : प्रकृति के चितारे कवि	66-92
	1· प्रकृति का मानवीकरण	
	2· नारी का प्रकृति-चित्रण	
	3· रोमानी रंग में रंगी हुयी प्रकृति	

पृष्ठांक

4· प्रकृति और समाज

5· प्रकृति में वैयक्तिकता और अतिबौद्धिकता

निष्कर्ष

संदर्भ-संकेत

अध्याय : 6 वीरेन्द्रकुमार जैन : नव्य शिल्प के कवि 93-113

1· काव्य-शिल्प का परिचय

2· कविता का शिल्प-विधान

3· प्रतीक विधान

4· बिम्ब-विधान

5· जनभाषा का प्रयोग

6· मुहावरें और लोकोक्ति का प्रयोग

निष्कर्ष

संदर्भ-संकेत

अध्याय : 7 समापन 114-119

संदर्भ-ग्रन्थ-सूची 120-122